Fourteenth Loksabha

Session : 5
Date : 25-08-2005

Participants : Gandhi Shri Pradeep

Title : Need to take steps to promote industrialization in Chhatisgarh.

श्री प्रदीप गांधी (राजनंदगांव) : सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार का ध्यान आकर्ति करना चाहता हूँ कि छत्तीसगढ़ राज्य एक नया प्रदेश बना है। नया प्रदेश बनने के बाद काफी पूंजी निवेश की दृटि से और औद्योगीकरण की दृटि से बहुत-सी रियायतें छत्तीसगढ़ सरकार ने दी है। इसके परिणामस्वरूप देश का सर्वाधिक पूंजी निवेश छत्तीसगढ़ की ओर आकर्ति हुआ हè*[r91] छत्तीसगढ़ आयरन, ओर, कोयला, बॉक्साइट जैसे अने खनिज सम्पदा से भरपूर राज्य है। खनिज आधारित उद्योग लगाने के लिए लोगों ने वहां भारी संख्या में एमओयू किए हैं। कुछ लोगों ने अपनी यूनिट लगा भी दी हैं और उनमें काम प्रारम्भ हो चुका है। राज्य सरकार के द्वारा आयरन ओर की माइन्स के लिए केन्द्र सरकार की अनुशंसा हेतु कई प्रस्ताव प्रेति किए हैं। लगभग 50 से अधिक आवेदन पत्र केन्द्र सरकार के पास विचाराधीन हैं, जिन पर समय के अंदर निर्णय नहीं होता है, तो उससे पूंजी निवेश करने वाले व्यक्तियों के मन में हताशा पैदा होगी। इस कारण कई प्रकार की कठिनाइयां उनके सामने खड़ी हो रही हैं। अतः मेरा आपके माध्यम से केन्द्र सरकार के माइन्स विभाग से अनुरोध है कि राज्य सरकार ने जिन प्रस्तावों को केन्द्र सरकार के पास अनुशंसा हेतु प्रेति किया है, उन प्रकरणों का समय सीमा के अंदर निराकरण करे, ताकि वे प्रस्ताव वहां वापस जाएं और जिन्होंने अपनी यूनिट्स स्थापित कर ली हैं, वे कच्चा माल निकाल कर उसका वेल्यू एडीशन करके अधिक से अधिक राजस्व राज्य सरकार को दें। इसके अलावा अधिक से अधिक रोजगार के अवसर समाज में लोगों के लिए निर्मित करने का काम भी करें। इसलिए यह आवश्यक है कि समय सीमा के अंदर यह काम सुनिश्चित हो। अतः केन्द्र सरकार इस दिशा में सक्रियता से काम करके उन प्रकरणां का निपटारा करे, जिससे वहां उद्योगों को गति प्रदान हो सके।

MR. CHAIRMAN : I will now call Members from whom notices were received after 9.30 in the morning, with the request that they may be very brief in their submissions.